कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 1 खंड: 3 मार्च 1-7, 2015

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

डॉ संध्या क्रांति, प्रधान, फसल संरक्षण प्रभाग ने दि. 7.3.2015 को अभिनव सेल के तत्वावधान में एन्डोसिम्बायोन्टस एवं पत्ती हॉपर प्रबंधन पर उनकी भूमिका के संबंध में एक भाषण दिया । *बेमिसिया टबोसी* के अध्ययन द्वारा अनुरुप निकालकर पाईरो अनुक्रमण ने डेल्फटिया को एक हावी एन्डोसिम्बायोन्टस रु में प्रदर्शित किया है । इसके अनुसार अन्होंने पत्ती हॉपर प्रबंधन हेतु एन्डोसिम्बायोन्टस को कम करने के संभावनाओं को अल्लेख किया । एन्डोसिम्बायोन्ट जो पत्ती हॉपर में पहचाना गया है, वह भी डाईयाजोट्रोफ के रुप में हेमोलिम्फ में पाया गया है । एन्डोसिम्बायोन्टस कीट के लिए आवश्यक अमीनो एसिड की आपूर्ति करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं । एन्डोसिम्बायोन्टस को कीट से कम करने से उनका प्रबंधन हो सकता है ।

अनुसंधान सार

गुजरात के भरूच में बोलगार्ड-2 संकर किस्मों में मृत गुलाबी सूंडी *पेक्टिनोफोरा गासिपियोल्ला* (सान्डेर्स) से *अपान्टीलेस स्प का* उद्भव

अपान्टीलेस स्प. भारत में म्यूसीबेक (1956) ; सेकोम एवं वार्मा, 1983 ; एवं 1982 में सिंग और सिंदु द्वारा दर्ज किए गये । पाकिस्तान में मोहम्मद एवं मोहम्मद द्वारा 1972 में गुलाबी सूंडी पर दर्ज किया गया । वर्तमान अध्ययन द्वारा गुजरात के बारुच के हन्सोट तालुका के वाग्वान एवं कटासायान गॉवों से आर.सी,एच.2- बीजी -2 एवं अजीत 155 बी.जी-2 संकर से जमा किए हरे डोडे ने परजीवीकरण से गुलाबी सूंडी को बंदरगाह दिए । डोडे को प्रयोगशाला में ले आकर गुलाबी सूंडी लार्वा इन्सिडेन्स और प्रति लाक्यूल क्षति प्रतिशत का निर्धारण करने के लिए विच्छेदित किये गये । गुलाबी सूंडी के लार्वे हरे डोडे से जमा किये गये एवं कृत्रिम आहार पर पालन हुआ । 6(छह) दिन के बाद मृत गुलाबी सूंडीयों देखने को मिले । गुलाबी सूंडी के लार्वा की मृत्यु दर 21.18 से 60.86 प्रतिशत है । लार्वाल पारासिटाईड *अपेन्टिलेस स्पी. का* उद्भव मृत गुलाबी सूंडी लार्वे से दर्ज किए गये । ब्रेकान लेफ्रॉयी के बाद यह दूसरे लार्वाल पारासिटाईड है जो वर्ष 2013 के क्षेत्र जनसंख्या (पापुलेशन) में जमा किए गये गुलाबी सूंडी हैं । *पारासिटाईड अपेन्टिलेस स्पी जो* संकर कपास बी.जी.-2 से जमा किए गये एवं गुलाबी सूंडी से उद्भव हैं, उन्हें एलिसा परीक्षण करने से, पहचाने योग्य *क्राई* विषाक्त पदार्थों देखने को नहीं मिले ।

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर

प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खडेकर

संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन

जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार

हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश

निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-1, खंड-3, 2015, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रॉड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com